DR. JINENDRA KUMAR JAIN: The Bihar Government is going to answer. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: The question relates to encroachment in Bihar. ... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. Order... (*Interruptions*) Now no, please. No, please.

SHRIMATI KAMLA SINHA: Dr. Jain's aspersions should be expunged from the proceedings. These are absolutely irrelevant.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: These are very much relevant, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, Dr. Jain. no argument. Please sit down. .. (*Interruptions*)

DR JINENDRA KUMAR JAIN: The Member has asked the question. *It is definitely relevant.*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat.

I am happy that the Minister is present to answer the question. If the Member is not there, it is a different question.

Target for silk production

*167. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what is the target for production of silk for the year 1992-93; and

(b) what steps are being taken to achieve the target?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The silk production target for the year 1992-93 is 14,465 metric tonnes.

(b) A number of steps are being taken to achieve the production target like bringing additional area under mulberry, introduction of new varieties of mulberry, improving silkworm seed quality development of new varieties of silkworm races, effective disease control measures etc.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: In the answer given by the Minister, he has not stated the extent of the additional acreage or addition in acres, which is to boost up production. He has also not stated what are the new methods apart from the traditional methods of improving the seed quality and all that. What are the other steps which have been taken by his Ministry?

श्री अशोक गहलोत : उपसभापति जी, जो मूल प्रश्न में पूछा गया था मैंने उसका उत्तर दे दिया है और उसमें सब कुछ लिखा है । जो ट्रेडीशनल मेथड्स हैं वह काम में लिये जा रहे हैं इसके अलावा जो नेशनल सेरिकल प्रोजेक्ट चल रहा है उसके माध्यम से हमारी कोशिश है कि इन सारे ट्रेडीशनल मेथड्स को आगे बढ़ाया जाए और नान ट्रेडीशनल स्टेट्स में भी इस काम को आगे बढ़ाया जाए माननीय सदस्य को मालूम है कि नेशनल सेरिकाल प्रोजेक्ट जो वर्ल्ड बैंक की सहायता से चल रहा है काफी प्रगति पर है ।

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: I asked what has been the additional acreage...

THE DEPUTY CHAIRMAN: He said whatever are the traditional methods they are being used. Some new methods have been brought about with the support of the World Bank regarding the new varieties of silk worms and mulberry trees etc.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: I want to know the additional acreage. He has not answered that.

श्री अशोक गहलौत : जो एकरेज की बात रही गई है मैं बताना चाहूंगा कि नेशनल सेरिकल्चर प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक लाख 44 हजार 875 एकड़ का जो हमारा टारगेट था वही टारगेट हम लेकर चल रहे हैं । हमने 1 लाख 33 हजार 419 को पूरा कर लिया है ।

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: I want to know the additional acreage of...

उपसभापति : वह दे दिया है ।

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: He has spoken about the tonnage and other things like production. I have asked about the additional acreage.

श्री अजीत जोगी : मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से रेशम के उस किस्म के बारे में प्रश्न पूछना चाहता हूं जिसका संबंध आदिवासियों से है। नैसर्गिक रूप से कोसा रेशम आदिवासी क्षेत्रों में एकत्रित किया जाता है जो साल और सरई के पेड़ों में होता है और बहुत बड़ी तादाद में इकट्ठा होता है । यह देखने में आया है कि आदिवासी जो कोसे के कोकून को एकत्र करते हैं उसमें से 30 से 40 परसेंट कोकून व्यर्थ हो जाता है क्योंकि वह खराब हो जाता है । उसमें से रेशम का अच्छा धागा नहीं निकाला जा सकता है। एक ऐसी तकनीक विकसित की जा रही है आदिवासियों की सोसाइटी के माध्यम से और मुंबई में जो इसके संबंध में एक्सपर्टस हैं उनके माध्यम से कि जो खराब कोसे का कोकून होता है उससे भी अच्छा किस्म का रेशम निकाला जा सके। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा, मंत्रालय को पहले भी कई बार हम उनसे अनुरोध कर चुके हैं कि इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है जिससे 30 से 40 परसेंट कोकून आदिवासियों का व्यर्थ हो जाता है और 50 से 60 करोड़ रुपये साल की उनकी अतिरिक्त आमदनी खत्म हो जाती है उस आमदनी को बचाया जा सके, राष्ट्र को भी लाभ हो और मध्य प्रदेश के बुनकरों को विशेषकर आदिवासी ऐसे लोगों को जो कोकून एकत्र करते हैं उन्हें भी लाभ मिल सके।

श्री अशोक गहलौत : उपसभापति जी, यह इस सवाल से हटकर सवाल है जो इन्होंने पूछा है मध्य प्रदेश के आदिवासियों के बारे में।

श्री अजीत जोगी : रेशम से ही संबंधित सवाल है । यह रेशम आदिवासी एकत्र करते हैं उस के बारे में पूछ रहा हूं ।

श्री अशोक गहलौत : जैसा आपने मुझे लिखा भी था तो मैं अलग से जानकारी प्राप्त करके अलग से भिजवा दूंगा ।

श्रीमती कमला सिन्हा : महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहती हूं कि क्या यह सही है कि आपने देश में सिर्फ प्रोडेक्शन का जो टारगेट है वह कभी पहुंच नहीं पाया और इसके कारण हमारे बुनकरों को भी बड़ी कठिनाई होती है और विदेशों से सिल्क आयात किया जाता है बड़े पैमाने पर खासकर चाइना से ?

श्री अशोक गहलौत : उपसभापति जी, वैसे तो टारगेट हमारा करीब-करीब पूरा होता है । पीछे पैंदरीन नाम की डिसीज लग गई थी ट्रेडीशनल स्टेट्स उसके कारण काफी लॉस हुआ और उसी कारण हम को इम्पोर्ट भी करना पड़ा । अब हमने इम्पोर्ट पर रोक लगा दी है । आगे इम्पोर्ट नहीं हो सकेगा ।

SHRI V. NARAYANASAMY: The silk sarees are being sold in the foreign market at a high price and they are getting very good foreign exchange. The people who are involved...

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, it is very commendable and suspicious also.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Why not silk *dhotis*?

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the silk sarees are more attractive. Therefore, I am referring to it.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the hon. Member is getting attracted by ... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY: I am referring to the silk saree which has got a very good potential in the foreign markets. It is moving very fast in the foreign markets.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am wearing a cotton saree.

SHRI V. NARAYANASAMY: I am referring to silk sarees only.

SHRI DIPEN GHOSH: What about silk shirtings?

SHRI V. NARAYANASAMY: I will come to it later.

Madam, the persons who are producing the silk sarees, the weavers in this country, are not getting sufficient quantity of silk. Moreover, the silk that is being produced in our country is not of good quality. Therefore, we have to resort to imports from China.

Madam, there is a technology available in China for producing a good quality of silk. Though we have expanded the area of cultivation of mulberry in the North-East region of our country, we are not getting the desired quantity of silk. Therefore, I would like to know from the hon. Minister whether the Government of India will have a tie-up with China to import the technology from China so that the quality and quantiy of silk that will be produced in our country will be better.

श्री अशोक गहलोत : उपसभापति महोदया, हम इस पर विचार करेंगे । उन्होंने चायना के साथ टाई-अप करने की बात कही है । यह इनका नया प्रस्ताव है, इस पर हम विचार करेंगे । मैं पहले ही कह चुका हूं कि हमारी जो नेशनल सीरिकल्चर प्रोजेक्ट चल रही है उसमें काफी प्रगति हुई है और हम उम्मीद करते हैं कि उसमें हम क्वालिटी भी बढ़ा पाएंगे ।

चौधरी हरि सिंह : माननीया, आप जानती हैं कि हमारी देश की सिल्क बहुत अच्छी होती है और उसकी बड़ी मांग भी है । लेकिन उसकी खूबी के मुताबिक उसकी कीमत विदेशी बाजार में नहीं मिल पाती है । उसका विशेष कारण मेरी जानकारी में यह है कि हमारी जो सिल्क का मैनूफैक्चर होती है, उसकी जैसी साइनिंग चाहिए, जैसी चीन और जापान की होती है, वह नहीं हो पाती है । इसलिए मैं माननीय मंत्री जी यह जानना चाहता हूं कि वे ऐसी मशीन या ऐसे कौन से उपाय करने जा रहे हैं जिससे हमारी सिल्क में भी चमक हो, नयापन हो, जिससे मार्केट में उसके ज्यादा दाम मिल सकें ? इसके लिए आप क्या उपाय सोच रहे हैं ?

श्री अजीत जोगी : यह चमक-दमक का सवाल है ।

श्री अशोक गहलोत : माननीय महोदया, मैं समझता हूं कि हमारी सिल्क भी काफी अच्छी सिल्क मानी जाती है और काफी एक्सपोर्ट भी हो रहा है । उसके अलावा समय-समय पर जो इम्प्रूवमेंट करने की बात है, हम लोग करते रहते हैं । मुझे नहीं लगता कि हमारी क्वालिटी दूसरों से घटिया है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Q. No. 168.

*168. [*The questioner (Dr. Yelamanchili Sivaji) was absent.* For answer *vide* Col. 42 *infra.*]

Publication of "Census of Joint Stock Companies"

*169. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the publication 'Census of Joint Stock Companies" has been published for the year 1991;

(b) if not, which is the latest year of its publication; and